



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 21]  
No. 21]

नई दिल्ली, शनिवार, 23, मई 1992/ज्येष्ठ 2, 1914  
NEW DELHI, SATURDAY, MAY 23, 1992/JYAISTHA 2, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भारत अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 मई, 1992

सं. परत./आई.आर./1115/1/82/खण्ड-6/6560-अन्तर्राष्ट्रीय विमान-  
पत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1971 (1971 का 43) की धारा 37  
की उपधारा (2) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते  
हुए, भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण, केन्द्रीय सरकार की  
पूर्वानुमति से, भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (ग्रेज्युटी)  
विनियम, 1984 में संशोधन करने के प्रयोजन से, पृ. तबद्धा, निम्नलिखित  
विनियम बनाता है, अर्थात्:—

1. (1) इन विनियमों को भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण  
(ग्रेज्युटी) संशोधन विनियम, 1992 कहा जाएगा।

(2) इन्हें 1 जनवरी, 1986 की प्रवृत्त हुआ माना जाएगा।

2. भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (ग्रेज्युटी) विनियम,  
1984 में:—

(1) विनियम 2 के उप-विनियम (ब) में स्थान पर निम्नलिखित  
को रखा जाएगा, अर्थात्:—

(ब) परिलब्धियों से वह अंतिम वेतन अभिप्रेत है, जो  
कर्मचारी द्वारा सेवा छोड़ने अथवा उसकी मृत्यु होने  
से तत्काल पहले की तारीख को प्राप्त किया गया हो।  
इसमें मूल वेतन, विशेष वेतन, मंडगार्ड भत्ता, धनका  
वेतन, निर्वाह अनुदान तथा आर्थिक कर्मचारियों के  
समय में पारिश्रमिक शामिल है। ग्रेज्युटी का प्रावधान  
करने के लिए संगणकीय परिवर्तनों पर कोई अधिकतम  
सीमा नहीं होगी।”

(2) विनियम 2 के उप-विनियम (ज) की मद (9) के बाद  
निम्नलिखित मद जोड़ी जाएगी, अर्थात्:—

“(10) पूर्वमृत पुत्र की पत्नी”

(3) विनियम 3 के उप-विनियमन (1) में संश्लिष्ट स्पष्टीकरण-3  
के बाद निम्नलिखित स्पष्टीकरण जोड़े जायेंगे, अर्थात्:—

“स्पष्टीकरण 4

यिमी कर्मचारी के त्यागपत्र/सेवा निवृत्ति के समय उसके  
विश्व अनुशासनात्मक कार्यवाही अश्लिष्ट अथवा विचाराधीन

हो तो उसे तब तक ग्रेच्युटी का भुगतान नहीं किया जाएगा जब तक उसके विरुद्ध चल रही कार्यवाही पूरी न हो जाए। अनुशासनात्मक कार्यवाही पूरी हो जाने पर, ग्रेच्युटी की राशि का भुगतान किया जाना, अनुशासनात्मक कार्यवाही के परिणाम और अनुशासनात्मक प्राधिकारी द्वारा दिए गए आदेशों पर निर्भर करेगा। विनियम-3 के उप-विनियम (1) के द्वारा उपबन्ध के प्रावधान के अनुसार जिन कर्मचारियों की सेवाएं बुराचरण के लिए समाप्त की जाती हैं, वह कोई ग्रेच्युटी पाने का हकदार नहीं होगा।

स्पष्टीकरण 5

जिन केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों को भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण में स्थायी आधार पर/तुरन्त स्थान के आधार पर नियुक्त किया गया है, उनके मामले में सरकार के अंतर्गत की गई उनको निष्ठरी सेवा की ग्रेच्युटी के भुगतान के प्रयोजन में अर्हक-सेवा की गणना करते समय परिकल्पित नहीं किया जाता जाहिए।"

(4) विनियम 3 के उप-विनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित को रखा जाएगा, अर्थात्:—

"(2) ग्रेच्युटी की राशि हम प्रकार होगी—

(क) सेवा पूरी कर लिए गए प्रत्येक वर्ष या उसकी छः महीने की अवधि से अधिक किसी भाग के लिए मासिक परिलब्धियों के 15/26 दिन के बराबर राशि, किन्तु यह है कि यह राशि अधिक से अधिक, मासिक परिलब्धियों के 11-1/2 (ग्यारह और आधा) गुना अथवा 1,00,000 रु. जो भी कम हो, के बराबर होगी।

(ख) मृत्यु की दशा में ग्रेच्युटी की राशि उपरोक्त स्पष्ट (क) में उल्लिखित दश या नीचे दी गई दरों, जो भी अधिक हो, पर आकलित की जाएगी।—

मृत्यु होने की स्थिति	ग्रेच्युटी की राशि
(क) सेवा के पहले वर्ष के दौरान	2 महीने की परिलब्धियाँ
(ख) एक वर्ष की सेवा के बाद किन्तु 5 वर्ष की सेवा से पहले	6 महीने की परिलब्धियाँ
(ग) 5 वर्ष की सेवा के बाद किन्तु 20 वर्ष की सेवा से पहले	12 महीने की परिलब्धियाँ
(घ) 20 वर्ष या उससे अधिक की सेवा के बाद	वर्तमान-सेवा के पूरे किए गए प्रत्येक अर्ध-वर्ष के लिए आधे महीने की परिलब्धियों, किन्तु यह है कि यह राशि अधिक से अधिक मासिक परिलब्धियों की 33 गुना होगी, किन्तु यह और कि मृत्यु की दशा में चलने वाली ग्रेच्युटी की राशि किसी भी हालत में एक लाख रुपए से अधिक नहीं होगी।

व्याख्यात्मक विवरण:—

सांख्यिक उद्यम (युरो) के विवेकाधीन ध्यान के रखने हुए इन विनियमों की पूर्वेत्याप्ति 1 जनवरी, 1946 से की जा रही है। प्रमाणित किया जाता है कि इन विनियमों की पूर्वेत्याप्ति से ऐसे किसी कर्मचारी, निम्नलिखित विनियम लागू होते हैं, पर विपरीत प्रमाण नहीं पेशा।

को के माथूर, अध्यक्ष

## INTERNATIONAL AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

### NOTIFICATION

New Delhi, the 15th May, 1992

No. PERS/IR/1115/1/82/Vol. VI/6560.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (2) of section 37 of the International Airports Authority Act, 1971, (43 of 1971), the International Airports Authority of India, with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following regulations further to amend the International Airports Authority of India (Gratuity) Regulations, 1984 namely:—

1. (1) These regulations may be called the International Airports Authority of India (Gratuity) Amendment Regulations, 1992.

(2) They shall be deemed to have come into force on 1st day of January, 1986.

2. In the International Airports Authority of India (Gratuity) Regulations, 1984,—

(1) for sub-regulation (f) of regulation 2, the following shall be substituted, namely:—

"(f) Emoluments mean the last pay drawn (which includes basic pay, special pay, dearness allowance, leave salary, subsistence grant and wages in the case of non-salaried employees) immediately preceding the date of quitting service or the date of his/her death. There will be no ceiling on reasonable emoluments for calculating the gratuity".

(2) after item (ix) of sub-regulation (h) of regulation 2, the following shall be inserted namely:—

"(x) wife of a pre-deceased son".

(3) after Explanation III to sub-regulation (1) of regulation 3, the following Explanations shall be inserted, namely:—

"Explanation IV

An employee against whom disciplinary action/proceedings is contemplated or pending at the time of resignation/retirement will not be paid gratuity unless the action/proceedings against him/her have been finalised. On finalisation of the disciplinary proceedings, the release of payment of amount of the gratuity will depend upon the final outcome of the disciplinary proceedings and keeping in view the orders of the disciplinary authority. No gratuity will be admissible to an employee whose services are terminated for misconduct as provided in the second proviso to sub-regulation (1) of regulation 3.

## Explanation V

In respect of the Central Government employees who have been appointed in International Airports Authority of India on permanent/immediate absorption basis, the previous service rendered under the Government should not be taken into account while computing the qualifying service for payment of gratuity".

(4) for sub-regulation (2) of regulation 3, the following shall be substituted, namely:—

“(2) Amount of gratuity shall be —

- (a) equal to 15/26 days of a month's emoluments for each completed year of service or part thereof in excess of six months subject to a maximum of 16-1/2 times the monthly emoluments or Rs. 1,00,000 whichever is less.
- (b) in the case of death, the amount of gratuity will be as calculated at the rate specified in clause (a) above or at the rates specified below, whichever is more:—

Where death occurs	Amount of Gratuity
(a) during the first year of service	2 months emoluments
(b) after completion of one year but before 5 years.	6 months emoluments
(c) after completion of 5 years but before 20 years service.	12 months emoluments
(d) after completion of service of 20 years or more.	half a month's emoluments for completed half year of qualifying service subject to the maximum of 33 times the monthly emoluments provided the amount of death gratuity shall in no case exceed one lakh rupees.”

## Explanatory Memorandum:—

In view of Bureau of Public Enterprise's instruction, the Regulations are being given retrospective effect from 1st January, 1986. It is certified that the retrospective effect given to these regulations will not affect adversely any employee to whom these Regulations apply.

V. K. MATHUR, CHAIRMAN.

